वी.यू. में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

श्वानों में पायोमेट्रा, एंडोस्कोपी एवं इकोकार्डियोग्राफी का सफल प्रशिक्षण

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के सर्जरी विभाग में आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन संपन्न हुआ।

विभिन्न प्रदेशों से आये प्रशिक्षणार्थीः– मध्यप्रदेश से भाग ले रहे प्रशिक्षार्णियों सहित महाराष्ट्र, जम्मू एवं कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा तेलंगाना से आये प्रशिक्षार्णियों ने श्वानें में पायोमेट्रा, एंडोस्कोपी एवं इकोकार्डियोग्राफी में विशेष रूचि प्रर्दीशत की एवं इनका गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पन्ना से आई मादा श्वानः– मध्यप्रदेश के पन्ना से आई वेमनॉर प्रजाति की मादा श्वान जो पिछले लगभग 06 महीनों से बीमार थी, उसका सफल निदान एवं उपचार किया गया। इस मादा श्वान की बच्चा दानी में पीप (पस) भर गया था, जिसका अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा निदान किया गया एवं उपचार किया गया। श्वान मलिक श्री सुनील गुरू ने श्वान को एक लाख पचास हजार रूपये में खरीदा था, तथा इसको परिवार के सदस्य की तरह रखते हैं।

इन्होने लिया प्रशिक्षणः– डॉ. भानु कीर्ति खजूरिया, डॉ. राजेश, डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. चक्रेश ठाकुर, डॉ. विनय बबेले, डॉ. शिवम जार, डॉ. श्रीनिवास पुल्पा, डॉ. ए.एस.विर्क, डॉ. रश्मि अग्रवाल, डॉ. अभिषेक, डॉ. नीता त्रिवेणी एवं डॉ. अर्पणा रैकवार।

इन्होने दिया प्रशिक्षणः– महाविद्यालय की डॉ. अपरा शाही, डॉ. शोभा जावरे, डॉ. रणधीर सिंह, डॉ. बबीता दास, डॉ. यामिनी वर्मा, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता तथा डॉ. प्रियंका पांडे ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने प्रशिक्षण में भाग लेने आये पशु चिकित्सकों को बधाई दी। उन्होने कहा कि आप इन आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर निदान एवं उपचार करें तभी प्रशिक्षण सफल माना जायेगा।

आज के समापन समारोह के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता संकाय डॉ. एस.एन.एस. परमार ने बताया कि वि.वि. में श्वानों की बीमारियों की जांच हेतु पर्याप्त उपकरण एवं चिकित्सक उपलब्ध हैं। प्रदेश वासियों को इसका लाभ उठाना चाहिये। इस समारोह में डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. एस.के. जोशी, डॉ. वर्षा शर्मा सहित समस्त प्राध्यापकों एवं पी.जी. छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सूचना जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि, जबलपुर